

भारत

एवं उसकी वैज्ञानिक वैभव
की गौरवगाथा



CO-ORGANISERS

कार्यक्रम का विवरण

यूथ यूनिटी फाउंडेशन, Brhat एवं ŚIKṢĀ, आईआईटी कानपुर के सहयोग से "भारत एवं उसकी वैज्ञानिक वैभव की गौरवगाथा" प्रतियोगिता प्रस्तुत करता है।

प्रतियोगिता युवा प्रतिभाओं को भारत के विज्ञान में योगदान को समझने और प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करती है। इसमें प्राचीन खोजों से लेकर आधुनिक प्रगति तक की यात्रा को शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम भारत के विज्ञान, दर्शन और कला के समन्वय को दर्शाता है, जो सत्य, चित और आनंद के सिद्धांतों पर आधारित है।

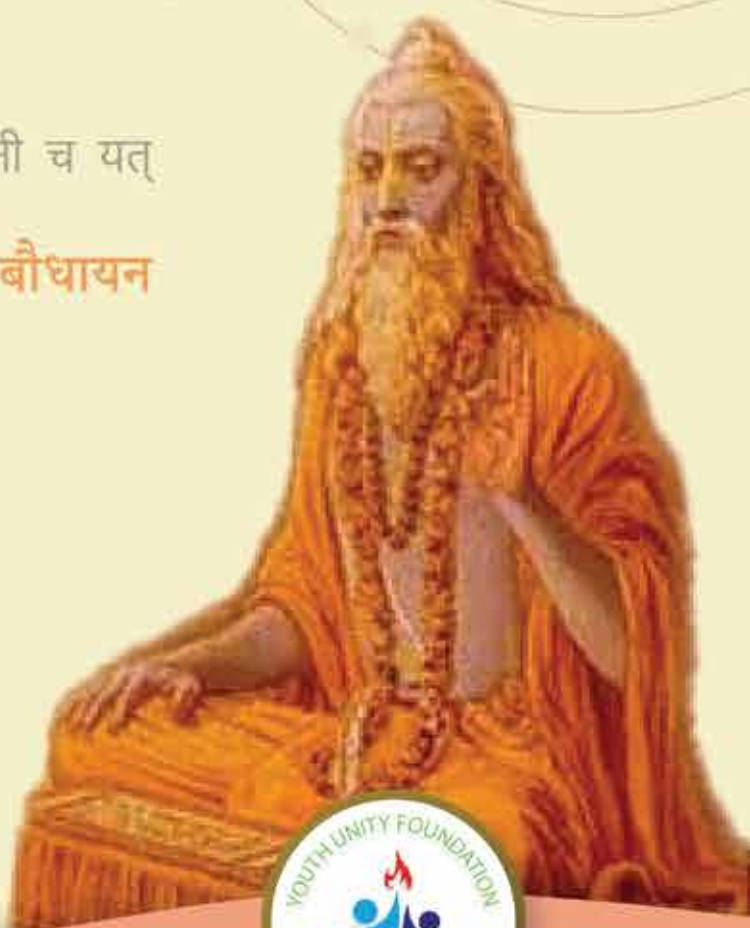
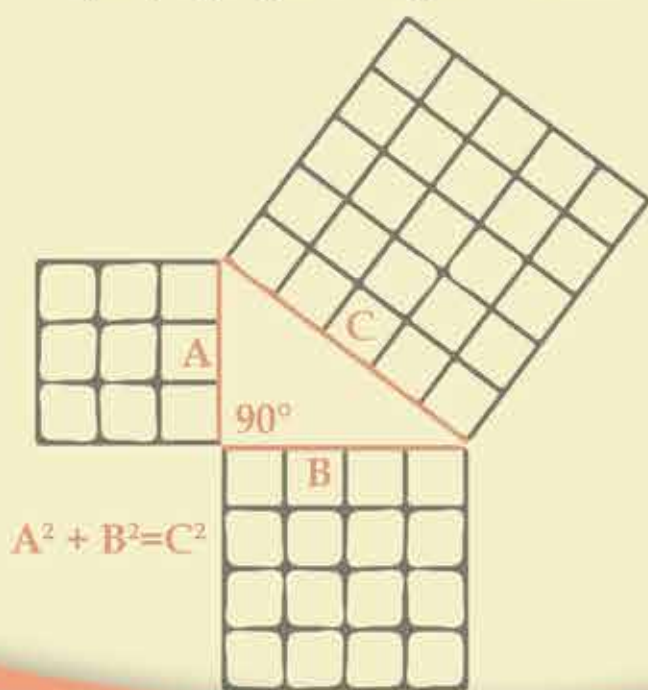
कार्यक्रम प्रतिभागियों को भारत की वैज्ञानिक परंपराओं के विषय में शोध और उन्हें आधुनिक खोजों, जैसे कि क्वांटम सिद्धांत, के साथ जोड़ने के लिए प्रेरित करता है। यह 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। प्रतिभागी विभिन्न ज्ञान प्रतिमानों के माध्यम से प्राचीन ज्ञान और आधुनिक नवाचारों को जोड़ेंगे।

कार्यक्रम उद्देश्य

- प्रतिभागियों को भारत की वैज्ञानिक परंपराओं और भारतीय ज्ञान प्रणाली से जोड़ना।
- युवाओं में तार्किक विश्लेषण, नवीनता और शोध के प्रति रुचि विकसित करना।
- नवीन अनुसंधान प्रस्तुत करने और चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करना।
- यह विश्लेषण करना कि प्राचीन ज्ञान आधुनिक तकनीकी प्रवृत्तियों के विकास को कैसे प्रभावित कर सकता है।

" दीर्घचतुरश्रस्याक्षण्या रज्जुः पार्श्वमानी तिर्यग् मानी च यत् पृथग् भूते कुरूतस्तदुभयं करोति ॥ "

~ बौधायन



प्रस्तुति के विषय

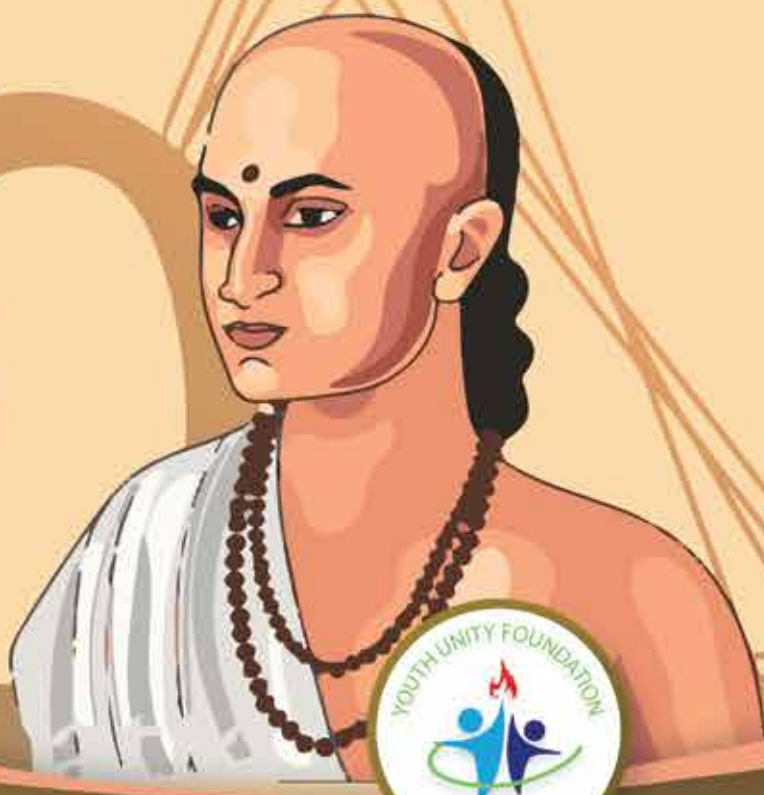
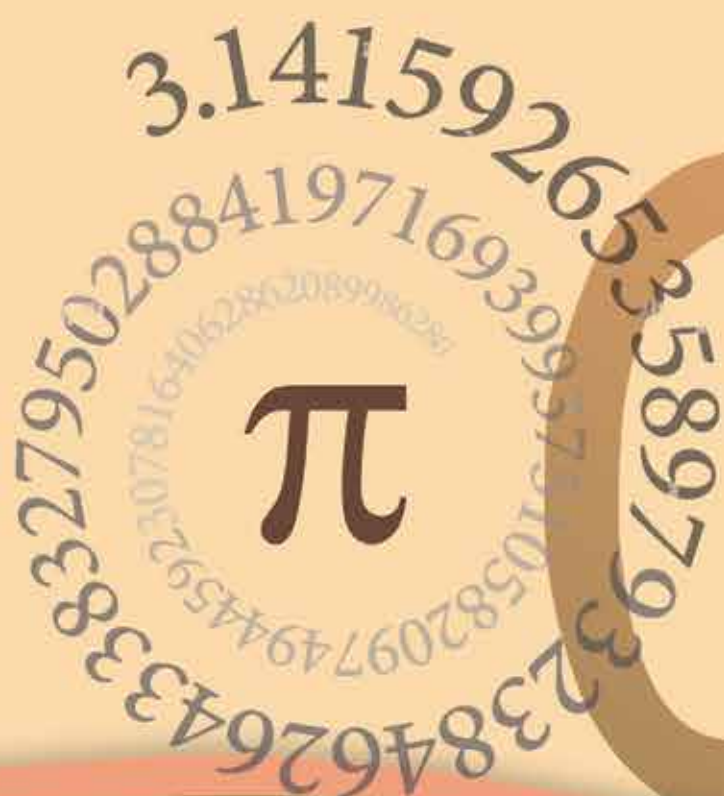
भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों पर शोध करें

प्रतिभागियों को वैज्ञानिक क्षेत्रों में भारत के योगदान को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न विषयों को चुनने का अवसर मिलेगा। ये विषय प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान की एकता को दर्शाते हैं:

प्रतियोगिता के लिए संभावित विषय:

- ◇ प्रमाण विज्ञान (वैदिक दार्शनिक और संज्ञानात्मक विज्ञान)
- ◇ खगोल विज्ञान
- ◇ गणित
- ◇ रसायन शास्त्र और धातु विज्ञान (रस शास्त्र और धातु विज्ञान)
- ◇ वास्तुकला और शिल्पशास्त्र
- ◇ कृषि विज्ञान
- ◇ यांत्रिक विज्ञान
- ◇ आयुर्वेद
- ◇ पर्यावरण विज्ञान और पारिस्थितिकी
- ◇ युद्ध विद्या (सैन्य विज्ञान)
- ◇ राज्य, समाज और शासन तंत्र

ये विषय प्राचीन ग्रंथों और परंपराओं की गहरी समझ प्रदान करते हैं, जिससे भारत की वैज्ञानिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों को व्यापक रूप से समझा जा सकता है।



पुरस्कार और प्रमाण पत्र

प्रतिभागियों को उनके शोध कार्य के लिए आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे:



ग्यारहवें से बीसवें स्थान के लिए: ₹5,000 प्रत्येक टीम

प्रमाण पत्र

सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र मिलेगा, जो उनकी मेहनत और इस कार्यक्रम में उनके योगदान को मान्यता देगा।



कार्यक्रम प्रवाह

प्राथमिक चरण

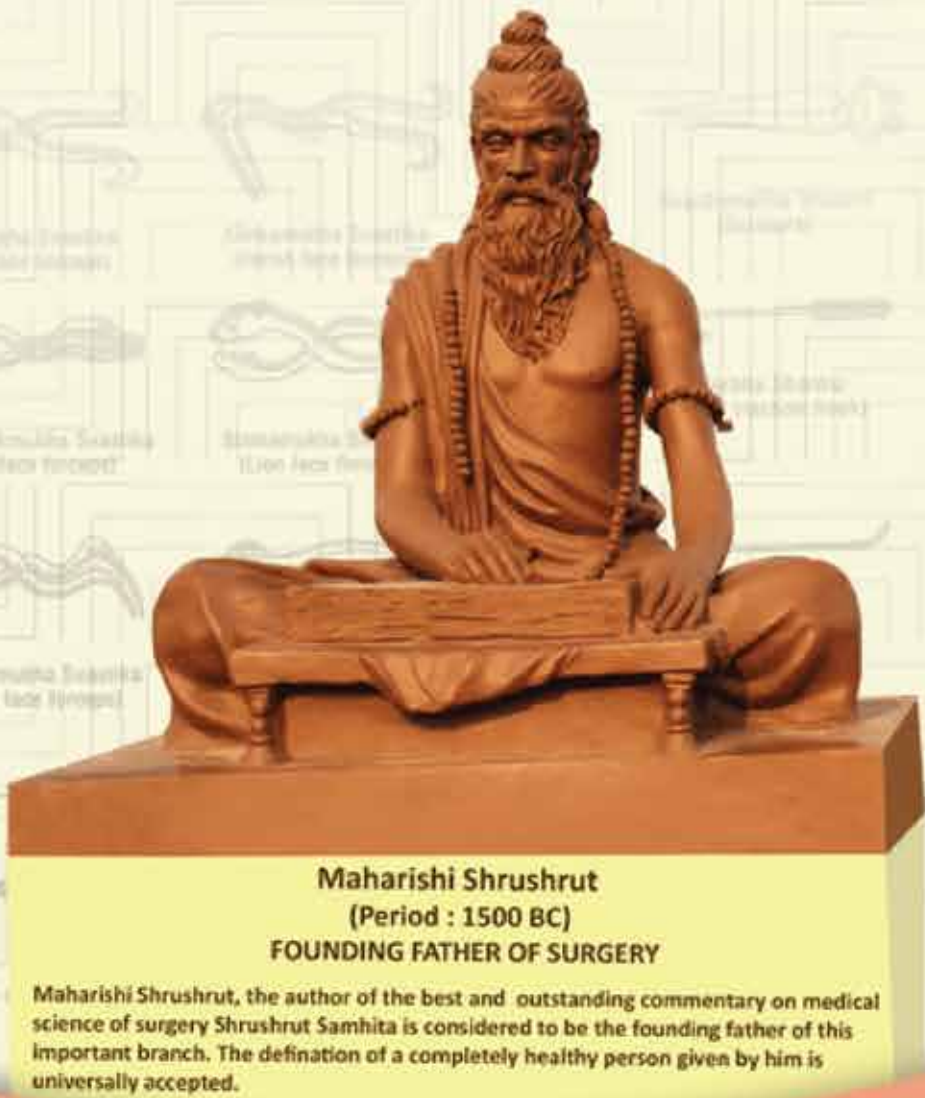
प्रत्येक दल को सुझाए गए विषयों में से किसी एक पर या कार्यक्रम की थीम से मेल खाने वाले किसी विषय पर प्रस्तुति जमा करनी होगी। शीर्ष 30 दलों को अंतिम चरण के लिए चयनित किया जाएगा।

अंतिम चरण

मंचीय प्रस्तुतियाँ: शीर्ष 30 दल 12 अप्रैल 2025 को दिल्ली NCR में एक प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल के सामने अपनी प्रस्तुति देंगे। प्रत्येक दल को 5 मिनट प्रस्तुति और 2 मिनट प्रश्नोत्तर के लिए मिलेंगे। निर्णायक मंडल में आईआईटी के वरिष्ठ प्रोफेसर शामिल होंगे।

कार्यक्रम की मुख्य बातें

- मुख्य भाषण: विशेषज्ञ भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों और उनकी समकालीन प्रासंगिकता पर विचार साझा करेंगे।
- विचार गोष्ठी: प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के एकीकरण पर गहन चर्चा होगी।
- सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ: भारतीय विरासत का जश्न मनाने के लिए शास्त्रीय संगीत, नृत्य और कला प्रदर्शन होंगे।



पात्रता और प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

कौन भाग ले सकता है?

- आयु: 16-25 वर्ष
- टीम में सदस्यों की संख्या: 2-3 सदस्य

प्रस्तुति प्रक्रिया

- प्रारूप: स्लाइड प्रस्तुति (न्यूनतम 10 स्लाइड)
- समय सीमा: प्रति दल 7 मिनट (5 मिनट प्रस्तुति + 2 मिनट प्रश्नोत्तर)
- सामग्री: मौलिक शोध, विश्लेषण और दृष्टिकोण
- प्रस्तुति: निर्दिष्ट ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से

महत्वपूर्ण तिथियाँ

- ऑनलाइन प्रस्तुति जमा करने की अंतिम तिथि: **3 अप्रैल 2025**
- 30 सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियाँ की कार्यक्रम तिथि: **12 अप्रैल 2025**

संपर्क करें

अधिक जानकारी और प्रश्नों के लिए:

- ईमेल: contact@youthunityfoundation.org
- वेबसाइट: www.youthunityfoundation.org
- दूरभाष: **8882292714**



अधिक जानकारी और पंजीकरण
के लिए QR स्कैन करें।